(i) आर्थिक आधार — कार्ल मार्क्स आदि विद्वानों का कथन है कि अति प्राचीन काल से ही समाज में आर्थिक आधार पर स्तरीकरण हमें देखने को मिलता है। आधुनिक समाजों में भी यही उच्च और निम्न की हमें मार्क्स के अनुसार पुंजीपति और श्रमिक वर्ग के रूप में देखने को मिलते हैं। मोटे तौर पर संपत्ति पर अधिकार होने और न होने के आधार पर ऊँच-नीच का स्तरीकरण होता है।

(ii) राजनीतिक आधार — राजा और प्रजा अथवा शासक और शासित में से ऊँची-नीची का स्तरीकरण होता है। यह राजनीतिक स्तरीकरण का एक क्रम और सामान्य उदाहरण है।

(iii) धार्मिक स्तरीकरण — धार्मिक संगठन के अंतर्गत भी स्तरीकरण होता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण ईसाई धार्मिक संगठन है। धार्मिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए धार्मिक अधिकारियों में एक संस्तरण विकसित कर लिया जाता है, जिसके सर्वोच्च शिखर पर महामान्य पोप का स्थान है।

by —
Dr. Sangeeta Prakash